© 2018 IJSRST | Volume 4 | Issue 7 | Print ISSN: 2395-6011 | Online ISSN: 2395-602X

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन

डॉ0 सियाराम यादव
एसोसिएट प्रोफेसर
शिक्षक–शिक्षा संकाय
नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अमित सिंह
शोधछात्र
एस0आर0एफ0 (शिक्षाशास्त्र)
नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

शोध आलेख सार– प्रस्तुत अध्ययन माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन हैं। इस अध्ययन में उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक अनुसंधान के अन्तर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। जनसंख्या के रूप में प्रयागराज जनपद के शहरी क्षेत्र में स्थित माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं को जनसंख्या माना गया है। माध्यमिक विद्यालयों का चयन उद्देश्यपरक विधि से किया गया है तत्पश्चात् उसमें अध्ययनरत् 100 छात्र एवं 100 छात्राओं अर्थात् कुल 200 विद्यार्थियों का चयन स्तरीकृत यादृच्छिक विधि से किया गया है। उपकरण के रूप में के0एस0 मिश्र द्वारा निर्मित 'पारिवारिक वातावरण अनुसूची' एवं विद्यार्थियों के कक्षा 10 की परीक्षा में प्राप्त प्राप्तांक को शैक्षिक उपलब्धि के रूप में रखा गया है। आँकड़ों के विश्लेषण के लिए प्रसरण विधि (एनोवा) एवं टी–अनुपात सांख्यिकी विधि का प्रयोग किया है। प्रस्तुत अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण पर प्रभाव है अर्थात् उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि एक–दूसरे से भिन्न है।

की–वर्ड– माध्यमिक स्तर, विद्यार्थी, शैक्षिक उपलब्धि, पारिवारिक वातावरण

प्रस्तावना–

परिवार एक पवित्र एवं उपयोगी संस्था है जिसमें मानव की सर्वांगीण उन्नति का आधार सहयोग, सहायता ओर पारस्परिकता का भाव रहता हैं। यह भाव वह शक्ति है जिसके आधार पर मनुष्य आदि–जंगली स्थिति से उन्नति करता आज की सभ्य स्थिति में पहुँचा है। सहयोग की भावना ही मनुष्य जाति की उन्नति का मूल कारण रही है। एकता, सामाजिकता, मैत्री आदि की सहयोगमूलक शक्ति ने आज मानव सभ्यता को उच्च स्तर पर पहुँचा दिया है। अभिभावकों के व्यक्तिगत आचरण के साथ परिवार का वातावरण भी बच्चों और सदस्यों के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका प्रस्तुत करता हैं। जिन घरों में दिन–रात लड़ाई–झगड़ा तथा आपा–धापी होती रहती है, उस परिवार के बच्चों और अन्य सदस्य परस्पर सहयोग का मूल्य नहीं समझ सकते। उनमें स्वार्थ और कलह की प्रमुखता हो जायेगी।

परिवार के माध्यम से मनुष्य आत्म–कल्याण की ओर भी अग्रसर हो। उसमें सामाजिकता, नागरिकता और सबसे बड़ी बात विश्व मानवता का कल्याणकारी भाव जागे। वह अपने जैसे अन्य मनुष्यों के लिए त्याग, सहानुभूति

सौहार्द एवं आत्मीयता का अभ्यस्त हो सके। मनुष्य की संकीर्णता दूर होकर उसकी आत्मा का व्यापक विकास हो, यही आत्म–कल्याण का राजमार्ग है, मनुष्य दूसरे का दुःख– दर्द समझकर उसके साथ सहानुभूति रख सके, उसकी सेवा–सुश्रूषा तथा सहायता करने को तत्पर रहे, यही आत्म–उन्नति के लक्षण हैं।

मनुष्य का सर्वांगीण विकास पारिवारिक जीवन से ही सम्भव है। परिवार व्यक्ति का एक ऐसा आश्रय स्थल है जहाँ वह अपनी समस्त मनोभावनाओं एवं इच्छाओं को व्यक्त करने के लिए पूर्णतः स्वतन्त्र होता है। परिवार के बिना सभ्य समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। परिवार के प्रत्येक सदस्य एक–दूसरे के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वाह करते हुए सहयोगपूर्वक रहते हैं। पारिवारिक सदस्य रक्त सम्बन्धी होने के साथ ही भावनात्मक रूप से भी एक–दूसरे से आबद्ध होते हैं।

पूर्व अध्ययनों से ज्ञात होता है कि शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण का सकारात्मक प्रभाव पड़ता हैं जैसा कि ाध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की कृषि विज्ञान में प्रदर्शन पर माता–पिता की शैक्षिक योग्यता, आर्थिक स्थिति, व्यवसाय और घर की अवस्थिति के साथ सम्बन्धित और महत्वपूर्ण प्रभाव पाया गया **(इगुनशोला, 2014)** छात्रों की अंग्रेजी भाषा में उपलब्धि पर माता–पिता की आर्थिक स्थिति का सकारात्मक प्रभाव पाया गया **(ओग विमुडिया एम0आई0 और आयशा, एम0वी0 2013)।** माता–पिता जो अनपढ़ है वे अपने बच्चों की शैक्षिक गतिविधियों का पालन करने में असमर्थ है **(सिंह, अमरवीर एवं सिंह जयपाल 2014)**। उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों के घर के वातावरण और शैक्षिक उपलब्धि में सकारात्मक सम्बन्ध पाया गया **(कक्कड़, निधि 2016)**। उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों के घर के वातावरण और शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया **(ओमन, निम्मी मारिया 2015)**। 11वीं कक्षा के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि और घर के परिवेश में महत्वपूर्ण सम्बन्ध पाया गया **(देशवाल, वाई0एस0, रेखारानी एवं अहलावत सविता 2014)**। छात्रों के घर के परिवेश की विभिन्न श्रेणियों और उनकी गणित में उपलब्धि में महत्वपूर्ण सम्बन्ध पाया गया **(सिंह, परमिन्दर 2016)**। छात्रों के स्कूल से घर आने पर माता–पिता द्वारा उनके शैक्षिक कार्यों की देख–रेख न करने पर उनकी शैक्षिक उपलब्धि प्रभावित होती है **(ओवेता, एंथोनी ओ0 2014)**। छात्रों के अकादमिक प्रदर्शन पर परिवार के आकार और प्रकार का महत्वपूर्ण प्रभाव पाया गया

अध्ययन का शीर्षक–

''माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन।''

अध्ययन का उद्देश्य–

प्रस्तुत अध्ययन में निम्नलिखित उद्देश्यों का अध्ययन किया गया है–

1. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना।
2. उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ–

प्रस्तुत अध्ययन में निम्नलिखित परिकल्पनाओं का परीक्षण किया गया है–

1. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।
2. उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध प्रविधि–

प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक अनुसंधान के अन्तर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। जनसंख्या के रूप में प्रयागराज जनपद के शहरी क्षेत्र में स्थित माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं को जनसंख्या माना गया है। माध्यमिक विद्यालयों का चयन उद्देश्यपरक विधि से किया गया है तत्पश्चात् उसमें अध्ययनरत् 100 छात्र एवं 100 छात्राओं अर्थात् कुल 200 विद्यार्थियों का चयन स्तरीकृत यादृच्छिक विधि से किया गया है। उपकरण के रूप में

के0एस0 मिश्र द्वारा निर्मित 'पारिवारिक वातावरण अनुसूची' एवं विद्यार्थियों के कक्षा 10 की परीक्षा में प्राप्त प्राप्तांक को शैक्षिक उपलब्धि के रूप में रखा गया है। आँकड़ों के विश्लेषण के लिए प्रसरण विधि (एनोवा) एवं टी–अनुपात सांख्यिकी विधि का प्रयोग किया है।

आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या–

1. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना।

H_1 माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण पर सार्थक प्रभाव पड़ता है।

H_{01} माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर संवेगात्मक बुद्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

सारणी सं0 1

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण में अन्तर को दर्शाते हुए एफ–अनुपात

स्रोत		SS	MS	F	सारणी मान
समूहों के मध्य	2	33832.92	16916.46	9.76*	F.05(2,198)=3.04
समूहों के अन्दर	198	343138.20	1733.02		
कुल	200	376971.12	18649.48		

*.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक

सारणी संख्या 1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि एफ–अनुपात का मान 9.76 हैं, जो .05 सार्थकता स्तर पर df =197 पर सारणी मान 3.04 से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना निरस्त की जाती है। इस सार्थक एफ अनुपात के आधार पर कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में भिन्नता है।

सारणी सं0 – 1

माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण का शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमानों के अन्तर का टी–अनुपात

क्र. सं.	चर	न्यादर्श (N)	मध्यमान (M)	σ_D	D	t-मान	सार्थकता स्तर
1.	उच्च	48	404.54	7.96	31.55	3.96	सार्थक
	मध्यम	101	372.99				
2.	उच्च	48	404.54	9.13	63.64	6.97	सार्थक
	निम्न	51	340.90				
3.	मध्यम	101	372.99	7.80	32.09	4.11	सार्थक
	निम्न	51	340.90				

सारणी संख्या 1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमानों के मध्य टी–मान क्रमशः 3.96, 6.97 एवं 4.11 है। सार्थक युग्म तुलना से यह स्पष्ट हैं कि उच्च पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की अपेक्षा उच्च है जबकि मध्यम पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की

शैक्षिक उपलब्धि निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की अपेक्षा उच्च है। सारणी से स्पष्ट हैं कि उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में भिन्नता है।

परिणामतः कहा जा सकता है कि उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर है।

निष्कर्ष–

प्रस्तुत अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण पर प्रभाव है अर्थात् उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि एक–दूसरे से भिन्न है।

अतः निष्कर्ष के आधार पर कहा जा सकता है कि माता–पिता द्वारा अपने बच्चों के साथ स्वच्छंदता एवं स्वतंत्रता की भावना रखनी चाहिए तथा किशोरावस्था के बालक–बालिकाओं के आत्म– प्रकटीकरण पर रोक नहीं लगाना चाहिए साथ ही साथ उनके बातों को सुनना चाहिए तथा उनके बातों को गौर करना चाहिए जिससे वे बेझिझक अपने बातों को माता–पिता के साथ कह सकें जिससे उनका व्यक्तित्व विकास एवं संवेगात्मक बुद्धि प्रभावित न हो सकें। माता–पिता को बच्चों के साथ उन सर्जनात्मक गतिविधियों को अधिकाधिक प्रोत्साहन प्रदान करना जिनसे विद्यार्थियों के आन्तरिक व्यक्तित्व का विकास सम्भव हो सके तथा उनमें सामाजिक संवेदनशीलता और मानवीय चेतना से सम्बन्धित शीलगुण में परिवर्तनकामी अभिलक्षण विकसित हो सकें।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- आर.ई. ईला (2015). इन्फ्लुऐन्स ऑफ फैमिली साइस एण्ड फैमिली टाइप ऑफ ऐकेडमी परफार्मेन्स ऑफ स्टूडेन्ट्स इन गवर्मेन्ट इन कालाबार म्युनिस्पिलिटी, क्रास रिवर स्टेट, नाइजीरिया, इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ ह्युमिनिट्स सोशल साइंसेस एण्ड एजुकेशन, वाल्यूम–2, इश्शू–11, www.arcjournals.org
- एगुनसोना, ए.ओ.ई. (2014). इन्फ्लुऐन्स होम इन्वायर्मेन्ट ऑफ ऐकेडमिक एचिवमेन्ट परफार्मेन्स ऑफ सेकेण्डरी स्कूल स्टूडेन्ट्स इन एग्रीकल्चर साइंस इन अदमवा स्टेट नाइजीरिया, आई.ओ.एस.आर. जर्नल ऑफ रिसर्च एण्ड मेथेड इन एजुकेशन, वाल्यूम–14, इश्शू–4, वर्जन–II, पृ0 46–53, www.iosrjournals.org
- एनगुर, बेगुम (2017). पैरेन्ट्स विथ् साइकोसिस : इम्पैक्ट ऑफ पैरेन्टिंग एण्ड पैरेन्ट–चाइल्ड रिलेशनशिप. जर्नल ऑफ चाइल्ड एण्ड एडोल्वसेन्ट बिहैवियर. वाल्यूम–5, इश्शू 1, पृ0 1–4
- गुप्ता, एस0 पी0 (2009). *आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन,* इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन।
- गुप्ता, एस0 पी0 (2010). *उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान*, इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन।
- ओगविमुडिया, एम0 आई0 एण्ड आयशा, एम0बी0 (2013). इन्फ्लुएन्स ऑफ होम एनवायरमेण्ट ऑफ द एकेडेमिक परफार्मेन्स ऑफ प्राइमरी फाइव पीपुल्स इन इंग्लिश लैग्वेज इन ओरहियोनयवन लोकल गवर्नमेण्ट एरिया ऑफ इडो स्टेट, डिपार्टमेण्ट ऑफ अर्ली चाइल्ड एण्ड स्पेशनल एजूकेशन, यूनिवर्सिटी ऑफ यूवो अकवा इवोम स्टेट, मेरिट रिसर्च जर्नल ऑफ एजूकेशन एण्ड रिव्यू, वाल्यूम–1(5) पृ0 120–125
- इगुनशोला, ए0ओ0ई0 (2014). इन्फ्लुएन्स ऑफ होम इन्वायरमेण्ट ऑन एकेडेमिक परफार्मेन्स ऑफ सेकेण्डरी स्कूल स्टूडेन्ट्स इन एग्रीकल्चरल साइंस इन आदामवा स्टेट नाइजीरिया, आई0ओ0एम0आर0 जर्नल ऑफ रिसर्च एण्ड मेथ्ड इन एजूकेशन (आईओएमआर–जेआरएमई), 4(4), पृ0 46–53
- एंथोनी, ओ0 ओवेटा (2014). होम इन्वायरमेण्टल फैक्र्टस इफेक्टिंग स्टूडेन्ट्स, एकेडेमिक परफार्मेन्स इन एबिया स्टेट, नाइजीरिया, रूरल इन्वायरमेण्ट, एजूकेशन पर्सनाल्टि–जेलगावा, 7–8–02–2014, पृ0 141–179

- देशवाल, वाई0एस0; रेखारानी एवं अहलावत, सविता (2014). इम्पैक्ट ऑफ होम इन्वायरमेण्ट ऑन एकेडेमिक एचिवमेन्ट ऑफ एडोल्वसेन्ट स्टूडेन्ट्स इन रिलेशन टू देयर लोकल्टी एण्ड टाइप ऑफ स्कूल, इण्डियन इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एजूकेशन एण्ड रिसर्च, 1(3), पृ0 42–49
- सिंह, अमरवीर एण्ड सिंह, जयपाल (2014). द इन्फ्लुएन्स ऑफ सोशियो–इकोनॉमिक स्टेट्स ऑफ पैरेन्ट्स एण्ड होम इनवायरमेन्ट ऑफ द स्टडी हैबिट्स एण्ड एकेडेमिक एचिवमेन्ट ऑफ स्टूडेन्ट्स, एजूकेशन रिसर्च, 5(9), पृ0 348–352
- ओनेस्टो, लौमो एण्ड कैशलीमा, जे0पी0 (2015). इन्फ्लुएन्स ऑफ होम इन्वायरमेण्ट ऑन स्टूडेन्ट्स एकेडेमिक परफार्मेन्स इन सेलेक्टेड सेकेण्डरी स्कूल्स इन अएसा म्यूनिस्पिलटी, जर्नल ऑफ नोबेल एप्लाइड साइंसेंस, 15, पृ0 1049–1054
- ओमन, निम्मी मारिया (2015). होम एन्वायरमेण्ट एण्ड एकेडेमिक एचिवमेन्ट ऑफ स्टूडेन्ट्स एट हायर सेकेण्डरी लेवल, इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ करेण्ट रिसर्च, 7(07), पृ0 18745–18747
- इला, आर0ई0; ओडोक, ए0ओ0 एवं इला, जी0ई0 (2015), इनफ्लुएन्स ऑफ फैमिली साइड एण्ड फैमिली टाइप ऑन एकेडेमिक परफार्मेन्स ऑफ स्टूडेन्ट्स इन गवर्नमेन्ट इन कैलावर म्यूनिस्पिलटी, क्रास रीवर स्टेट, नाइजीरिया, इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमनटीज, सोशल साइंस एण्ड एजूकेशन, 2(4), पृ0 108–114